अजमेर में अस्थाई सफाई कर्मचारियों की हड़ताल तीसरे दिन भी जारी

सफाई कर्मचारियों की हड़ताल से शहर में जगह-जगह गंदगी के ढेर लगे

अजमेर, (निसं)। नगर निगम के अस्थाई सफाई कर्मचारियों को ठेकेदार से समय पर वेतन का भुगतान नहीं होने सहित वेतन बढ़ोत्तरी की मांग को लेकर अस्थाई सफाई कर्मचारियों की हड़ताल गुरुवार को तीसरे दिन भी जारी रही। कर्मचारियों ने नगर निगम से कलेक्ट्रेट तक रैली निकालकर कलेक्ट्रेट पर विरोध प्रदर्शन किया। जिला कलेक्टर को पांच सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंप कर जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक कार्य बहिष्कार की चेतावनी दी। हड़ताल के चलते शहर की सफाई व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। शहर में जगह-जगह गंदगी के ढेर लगने लगे हैं।

गुरुवार को तीसरे दिन भी निगम के अस्थाई सफाई कर्मचारियों की हड़ताल का असर अब शहर की सफाई व्यवस्था पर दिखने लगा है।

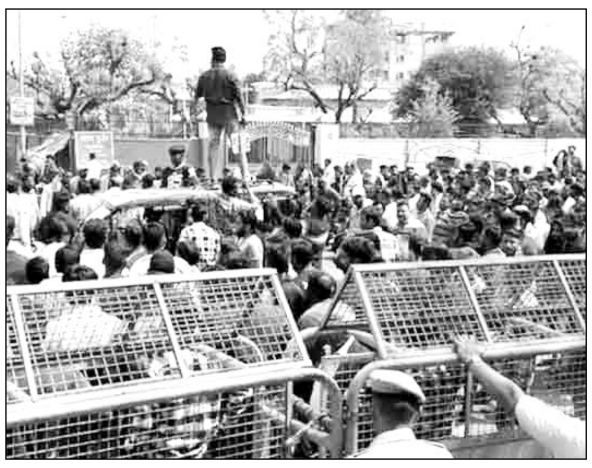

अस्थाई सफाई कर्मचारियों ने अजमेर कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया।

अजमेर के 80 में से 52 वार्डों में सफाई का काम पूरी तरह से ठप पड़ा है। सड़कों, बाजारों और कॉलोनियों में कचरे के ढेर लगने लगे हैं, जिससे

- **अस्थाई सफाई कर्मचारियों ने रैली निकाल कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया**

आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नगर निगम द्वारा डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण और फील्ड सफाई का ठेका निजी कंपनियों को दिया गया है, लेकिन सफाई कर्मचारियों का आरोप है कि ठेकेदार उन्हें तय वेतन से कम भुगतान कर रहे हैं। इसी के विरोध में अस्थाई सफाई कर्मचारी हड़ताल पर हैं।

गुरुवार को अस्थाई सफाई कर्मचारियों ने नगर निगम कार्यालय से नारेबाजी करते हुए रैली निकाली, जो विभिन्न मार्गों से होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंची। कर्मचारियों ने जिला कलेक्टर लोकबंधु को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया कि सफाई कर्मचारी 6200 रुपए मासिक वेतन पर काम कर रहे हैं जो बेहद कम है। उनकी मांग है कि न्यूनतम वेतन 18 हजार रुपए किया जाए और वेतन समय पर दिया जाए। कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि उन्हें दो-दो महीने तक वेतन नहीं मिलता, जिससे उनके परिवारों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो जाता है।

प्रदर्शन कर रहे सफाई कर्मचारी प्रकाश लखन ने कहा कि फरवरी माह का वेतन अभी तक किसी को नहीं मिला है। इसके अलावा ठेकेदारों द्वारा सफाई कार्य के लिए आवश्यक सामग्री तक उपलब्ध नहीं कराई जाती, जिससे काम करने में कठिनाई होती है। कर्मचारियों का कहना है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होंगी, तब तक वे हड़ताल जारी रखेंगे।

इनामी बदमाश ने हिस्ट्रीशीटर की गाड़ी को कैम्पर से टक्कर मारी

हिस्ट्रीशीटर ने कार से उतरकर वर्कशॉप में भागकर अपनी जान बचाई

सुलताना, (निसं)। जिले में बदमाश बेखौफ हैं। जिले के सुलताना कस्बे के केहरपुरा मोड़ पर गुरुवार सुबह बोलेरो कार का टायर चेंज करा रहे हिस्ट्रीशीटर पर इनामी बदमाश ने कैंपर कार से धावा बोल दिया। बोलेरो कार को बदमाश ने कैंपर से टक्कर मारी। वक्त रहते हिस्ट्रीशीटर ने कार से उतरकर वर्कशॉप में भागकर जान बचाई। घटना की सूचना मिलने पर सुलताना थाना इंचार्ज रविंद्र कुमार मौके पर पहुंचे। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले और प्रत्यक्षदर्शियों से बात की। फुटेज और बयान के आधार पर जांच की जा रही है।

सुलताना थाना एसएचओ रविंद्र सिंह ने बताया कि दोनों ही बदमाश सुलताना के हिस्ट्रीशीटर हैं। इनके खिलाफ मारपीट, जानलेवा हमले के मामले दर्ज हैं। बदमाश रजनीश पर 10 हजार का इनाम भी घोषित है। आरोपियों की तलाश कर रहे हैं। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी आया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार सुबह सुलताना कस्बे के केहरपुरा मोड़ पर नागौरी वर्कशॉप पर सुलताना थाने का हिस्ट्रीशीटर नरेंद्र अपनी बोलेरो कार का टायर चेंज करा रहा था। नरेंद्र कार में बैठा था। कुछ देर में वहां सुलताना थाने का इनामी बदमाश और हिस्ट्रीशीटर रजनीश और उसका साथी कैंपर कार लेकर पहुंचे। रजनीश को देख नरेंद्र बोलेरो कार से उतरा और वर्कशॉप में भागकर जान बचाई। रजनीश ने कैंपर को बैक लेकर हिस्ट्रीशीटर नरेंद्र की बोलेरो को ठोक दिया। यह पूरी घटना पास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई। फरार होने से पहले रजनीश कैंपर से मोबाइल लेकर उतरा और घटना का वीडियो बनाकर दोबारा चलती कैंपर में चढ़ गया। इस वारदात के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। इनामी बदमाश रजनीश वारदात के दौरान सड़क पर बेखौफ दिखा। उसने सड़क के बीचोंबीच खड़े होकर अपने मोबाइल से वारदात का वीडियो बनाया। इसके बाद लोगों ने पुलिस को घटना की सूचना दी। कैंपर से टक्कर मारने वाला रजनीश सुल्ताना थाने का 10 हजार का इनामी है। शराब ठेके पर एक व्यक्ति का सिर फोड़ने के मामले में उस पर इनाम रखा गया। वह सुलताना थाने का हिस्ट्रीशीटर भी है। रजनीश आरडी नाम से अपनी गैंग चलाता है। नरेंद्र उर्फ नीरू भी सुलताना थाने का हिस्ट्रीशीटर है। दोनों एक ही गांव के हैं। दोनों के बीच केहरपुरा गांव में मंदिर की दीवार तोड़ने को लेकर बुधवार शाम को विवाद हुआ था। रजनीश केहरपुरा में एक लड़के को पीट रहा था। नरेंद्र ने उसे बचाया था। इसे लेकर दोनों में गाली-गलौज भी हुई थी। आज मौका पाकर रजनीश ने नरेंद्र पर हमला कर दिया। उसे लोहे की रॉड से भी पीटा। रजनीश पर 8 और नरेंद्र पर 7 मामले दर्ज हैं।

सांभर के प्रदीप व्यास ने फिल्म इंडस्ट्रीज में पहचान बनाई

सांभरझील, (निसं)। सांभर में दिल्ली सिक्स की फिल्म की शूटिंग के बाद यहां के अनेक युवाओं में छिपी प्रतिभाएं जिस प्रकार से तेजी से आगे आईं, उसके पीछे बॉलीवुड के कलाकारों व फिल्म यूनिट दल का अहम रोल भी रहा है। यहां के युवाओं ने इस स्थिति को भांपते हुए

- **हाल ही रिलीज हुई वेब सीरीज ''दोपहिया'' में प्रदीप व्यास ने टेंपो वाला बनकर रोल निभाया है**

अपना भविष्य फिल्म इंडस्ट्रीज में तलाशना शुरू कर दिया और सांभर के कई युवा आज इस काम में जुड़े हुए हैं और अपने कैरियर को संवारने में लगे हुए हैं।

ऐसा ही एक उभरता युवा कलाकार सांभर के मालवों की गली में रहने वाले दर्शनलाल व्यास के पुत्र प्रदीप व्यास है। इन्होंने अपने दम पर कड़ी मेहनत और लगन से आज बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान बनाई, वरन अनेक मशहूर कलाकारों से भी उनके निजी तालुकात हो गए हैं। अभी हाल ही रिलीज हुई वेब सीरीज ''दोपहिया'' काफी चर्चित एक गांव की स्टोरी है, जिसमें सांभर के प्रदीप

सांभर के प्रदीप व्यास ने वेब सीरीज में अपनी भूमिका निभाई है।

व्यास इसकी लाइन प्रोड्यूसर भी हैं बल्कि खुद ने भी इसमें टेंपो वाला बनकर अपना खास रोल निभाया है।

प्रदीप व्यास ने बताया कि फिल्म की कहानी एक गांव धड़कपुर से शुरु होती है। जो एक अपराध मुक्त गांव है। जहां पिछले 24 सालों से कोई क्राइम नहीं हुआ है और गांव के लोग भी पूरी तरह बिना किसी डर के रहते हैं। धड़कपुर में गांव के स्कूल के अस्थायी प्रधानचार्य बनवारी (गजराज राव) की बेटी का रिश्ता तय हो जाता है लेकिन उनका दामाद दहेज में बुलेट की डिमांड करता है। किसी तरह बनवारी बेटी की खुशी की खातिर पैसों का इंतजाम करके दामाद को देने के लिए दुपहिया खरीदते हैं। कहानी में ट्विस्ट तब आता है जब धड़कपुर से दुपहिया चोरी हो जाती है। अब दामाद की शर्त पूरी न होने पर क्या वह शादी करेगा, क्या चोर का पता चल पाएगा और क्या होगा अब अपराधमुक्त गांव के टैग का? ये सारी बातें सीरीज के 9 एपिसोड में दिखाई गई हैं।

अंतर्राज्यीय गैंग के चार चोरों की पुलिस ने पैदल परेड करवाई

बीदासर, (निसं)। कस्बे में चोरी के आरोप में गिरफ्तार किए गए अंतर्राज्यीय गैंग के चार चोरों को पुलिस ने बुधवार की देर शाम कस्बे के मुख्य मार्गों से आमजन में विश्वास एवं अपराधियों में भय का संदेश देने को लेकर पैदल परेड करवाई।

चोरों को पुलिस जाब्ते के साथ

- **नगरवासियों ने चोरियों का खुलासा होने पर पुलिस कर्मियों का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया**

कस्बे के सीकर नोखा मार्ग स्थित मुक्ति धाम से राजकीय गोवर्धन प्रसाद टांटिया राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तक कस्बे के नागरिकों के साथ पैदल मार्च जुलूस के साथ निकाला, जिसमें सैकड़ों की संख्या में नगरवासी शामिल हुए और जुलूस में नगरवासियों ने पुलिस जिंदाबाद के नारे लगाए। इस दौरान नगरवासियों ने वर्तमान में हुई चोरियों का खुलासा होने पर पुलिस कर्मियों का जुलूस में जगह-जगह पुष्प वर्षा व माला पहनाकर स्वागत किया। वहीं सीएचसी मार्ग के किनारे दो जेसीबी लगाकर नगरवासियों ने उसमें से पुष्प वर्षा करवाकर पुलिस कर्मियों का स्वागत

बीदासर में पुलिस ने चोरी के आरोपियों का जुलूस निकाला।

किया। स्वागत जुलूस में व्यापार मंडल अध्यक्ष शिवकुमार टांटिया, पूर्व पालिका उपाध्यक्ष जवाहर सिंह राठौड़, कमल माली, हरका राम खेरिया, ललित सैनी, ओमप्रकाश सोनी, आरिफ छींपा, भीकम चंद खेरिया, जाकिर कूरैशी, मुन्नी राम मंडा, गिरधारी लाल मेघवाल सहित अनेक नगरवासी मौजूद थे।

थानाधिकारी कैलाश चंद यादव ने बताया कि पुलिस ने गिरफ्तार किए गए चोरी के आरोप में अंतर्राज्यीय गैंग के चार शातिर चोर जोधपुर की मदेरणा कॉलोनी व हाल निवासी सुजानगढ़ उमरदीन भाटी पुत्र ल्याकत, जोधपुर के नागौरी गेट भील बस्ती निवासी मोहम्मद नहीम पुत्र मोहम्मद ईस्माइल, जोधपुर के कबीर नगर घानसाहीदा कॉलोनी निवासी सद्दाम हुसैन पुत्र मोहम्मद खलील व जोधपुर के गांव प्रतापनगर फेजा मस्जिद गली नंबर दो के निवासी शाहरुख खान पुत्र सलीम खा छींपा को न्यायालय में पेश किया। न्यायालय ने शाहरुख खान को 22 मार्च तक व अन्य तीन नकबजनों को 24 मार्च तक पुलिस रिमांड पर दिया है। थानाधिकारी यादव ने बताया कि गिरफ्तार किए गए नकबजनों से कड़ी पूछताछ के बाद कस्बे में पूजा पत्नी श्रवण कुमार शर्मा, भागीरथ मंडा व श्रवण स्वामी के घर हुई चोरियों का खुलासा हुआ है। पुलिस ने पूजा शर्मा के घर हुई चोरी में नकबजनों से ब्रांडेड कोट व कपड़े बरामद किए हैं। वहीं इनके घर में सीसीटीवी कैमरे का लगा डीवीआर नकबजनों ने सुजानगढ़ सम्राट होटल स्थित रेलवे फाटक के पास पानी के कीचड़ में फैंकना कबूल किया है। अन्य समान नकबजनों से बरामदगी के प्रयास किए जा रहे है।

मकान में युवक का शव फंदे पर लटका मिला

पावटा, (निसं)। प्रागपुरा थाना क्षेत्र के गांव टसकोला में गुरुवार सुबह एक युवक का शव बंद कमरे में पंखे से लटका मिला। मकान के अंदर का दरवाजा बंद था। वहीं घटना को लेकर परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। प्रागपुरा थाना पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। इसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। मृतक अपने परिवार को छोड़ जिनके घर रह रहा था वो शक के दायरे में हैं।

जानकारी के अनुसार गांव टसकोला निवासी रामजीलाल सैनी पुत्र जगदीश सैनी अपने घर को छोड़कर 4-5 साल से किसी दूसरे के घर पर रहता था। जिसके घर पर रहता था वह उसके साथ गाड़ी व बाड़ी में साझेदार थे। गुरुवार सुबह करीब 6 बजे रामजीलाल कमरे से बाहर नहीं आया। जिस पर रामजीलाल जिसके घर पर रहता था अशोक सैनी ने मृतक के भाई महावीर को फोन किया कि रामजीलाल कमरे का गेट नहीं खोल रहा है। सूचना पर रामजीलाल के परिजन मौके पर पहुंचे व प्रागपुरा थाना पुलिस को भी सूचित कर मौके पर बुलाया। वहां जाकर देखा तो कमरे की अंदर से कुंदी लगी हुई थी व कमरा अंदर से बंद था। प्रागपुरा थाना पुलिस की मौजूदगी में कमरे के दरवाजे को तोड़ा गया। अंदर जाकर देखा तो रामजीलाल के गले में तोलिया था।

15 लाख की शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

पाली, (निसं)। पाली पुलिस ने 15 लाख रुपए की शराब जब्त करते हुए आरोपी ट्रक ड्राइवर को गिरफ्तार किया है। चालक खाली ट्रक में बने गुप्त बॉक्स में शराब छुपाकर गुजरात ले जा रहा था।

सदर थाने के सहदेव चौधरी ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर पणिहारी चौराहे के पास नाकाबंदी की। इस दौरान जोधपुर से सुमेरपुर की तरफ जा रहे एक ट्रक को रोका। ट्रक खाली था, पूछने पर ड्राइवर ने बताया कि ऊंझा मंडी जा रहा है। पुलिस ने शक होने पर ट्रक की तलाशी ली तो उसमें बने एक गुप्त बॉक्स में छुपाकर रखी राजस्थान निर्मित विभिन्न ब्रांड की अंग्रेजी शराब मिली। इस पर उसे जब्त किया गया। जब्त शराब की बाजार कीमत करीब 15 लाख रुपए आंकी गई है। मामले में

- **खाली ट्रक में बने गुप्त बॉक्स में छुपाकर गुजरात ले जाई जा रही थी अवैध शराब, पुलिस ने मामले की जांच शुरु की**

जोधपुर के सूरसागर थाना क्षेत्र के नई भाखरी बास निवासी जाकीर खान (57) पुत्र नूर मोहम्मद को गिरफ्तार किया। साथ ही ट्रक और अवैध रूप से गुजरात ले जाई जा रही शराब को भी जब्त किया। कार्रवाई में सदर थाने के कॉन्स्टेबल रमेश विश्नोई की मुख्य भूमिका रही। वहीं पुलिस ने मामले की जांच शुरु की।

पाली पुलिस ने शराब के साथ ट्रक चालक को गिरफ्तार किया।

तत्कालीन ग्राम विकास अधिकारी के विरुद्ध एसीबी ने चालान पेश किया

जालोर, (का.सं.)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो जालोर की ओर से सायला पंचायत समिति की आंवलोज ग्राम पंचायत के तत्कालीन ग्राम विकास अधिकारी संतोष कुमार जोशी के विरूद्ध पद के दुरूपयोग व गबन के मामले में एसीबी कोर्ट पाली में चालान पेश किया गया।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो जालोर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मांगीलाल राठौड़ ने बताया कि ग्राम पंचायत आंवलोज में वितीय वर्ष 2015-16 में विभिन्न योजनाओं में विकास कार्यों के लिए मैसर्स शिवशक्ति कन्सट्रक्शन आंवलोज के नाम निविदा स्वी.त की गई, जिस पर मैसर्स शिव शक्ति कन्सट्रक्शन कम्पनी आंवलोज द्वारा धरोहर राशि रोकड़ पंजिका अनुसार 14 जुलाई 2015 को 20 लाख रुपये ग्राम पंचायत आंवलोज के कोष में जमा कराये गये थे। ग्राम पंचायत आंवलोज द्वारा वित्तिय वर्ष 2015-16 में मैसर्स शिवशक्ति कन्सट्रक्शन कम्पनी आंवलोज को किसी प्रकार का कार्यादेश जारी नहीं किया गया। जबकि ग्राम पंचायत आंवलोज में विभिन्न जगह के विकास कार्यों हेतु मैसर्स सरवरी कन्सट्रक्शन कंपनी भीनमाल से सामग्री आपूर्ति करवाकर उक्त फर्म को कुल 8,00,000 रूपये का भुगतान ग्राम पंचायत आंवलोज के कोष से किया गया, जबकि ग्राम पंचायत आवंलोज द्वारा वर्ष 2015-16 हेतु खोली गई निविदा 10 जुलाई 2015 के अनुसार मैसर्स शिव शक्ति कन्सट्रक्शन आंवलोज के नाम निविदा स्वीकृत की गई थी।

निविदा के अनुसार भुगतान मैसर्स शिव शक्ति कन्सट्रक्शन आंवलोज को होना चाहिए था, जबकि भुगतान अन्य फर्म सरवरी कन्सट्रक्शन कम्पनी भीनमाल को किया गया। कुछ समय पश्चात ग्राम पंचायत आंवलोज की सरपंच ममता देवी व ग्राम विकास अधिकारी संतोष कुमार द्वारा सबंधित फर्म को किये गये भुगतान में विधिक समस्या होने का तकाजा करने पर सबंधित फर्म सरवरी कन्सट्रक्शन से सामग्री पेटे किये गये भुगतान 8 लाख रूपये को पुनः पंचायत कोष में जमा करवाया गया। जिस पर ग्राम पंचायत आंवलोज पंचायत समिति सायला जिला जालोर की तत्कालीन सरपंच ममता देवी व संतोष कुमार ग्राम विकास अधिकारी के विरुद्ध भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो राज. जयपुर पर प्रकरण दर्ज कर बाद अनुसंधान उक्त प्रकरण में आरोपी संतोष कुमार तत्कालीन ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत आंवलोज, पं.सं. सायला जिला जालोर के विरुद्ध विशेष न्यायाधीश भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम पाली के न्यायालय में चालान पेश किया गया।

सांचोर जिला बचाओ संघर्ष समिति का धरना जारी

'सांचोर जिला जब तक घोषित नहीं होता है, तब तक धरना समाप्त नहीं होगा'

जालोर, (कासं)। जिला बचाओ संघर्ष समिति की ओर से सांचोर को जिला बनाने की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन कर गुरुवार को 82 वें दिन जारी रहा। वहीं सांचोर अतिरिक्त जिला कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन पेश किया।

पूर्व राज्यमंत्री सुखराम बिश्नोई ने कहा कि सांचोर जिला बचाओ संघर्ष समिति के नेतृत्व में गुरुवार को 82 वें दिन धरना जारी है। सरकार समझ ले जो सांचोर जिले को निरस्त किया है जिसको नियमानुसार बहाल कर देवें। सांचौर जिला जो जालोर जिले से 145 कि.मी. दूर व अंतिम गांव आकोडिंया रणखार करीब 250 किमी दूर हैं। सरकार ने कौनसे आधार पर सांचोर जिले को निरस्त किया गया, कोई स्पष्ट नहीं हैं। जिला बनने से जिला मुख्यालय नजदीक होने पर आमजन के लोगों के सभी जिले स्तर के कार्य जल्द होते थे। वर्तमान सरकार आमजन का त्वरित कार्य नहीं करना चाह रही है और आमजन को इधर-उधर भटकाकर आर्थिक नुकसान करना चाहती है, ऐसी ही इस सरकार की मंशा लग रही है। बिश्नोई ने कहा कि वर्तमान सरकार सांचोर जिले को किस आधार पर निरस्त किया, हमने सम्पूर्ण प्रूफ के साथ कोर्ट में याचिका दायर की है, जिसका न्यायपालिका नियमानुसार निस्तारण करेंगे तथा सरकार ने अतिरिक्त जिला कलेक्टर कार्यालय बंद कर पुनः खोला है, एडीएम कार्यालय से धरना समाप्त नहीं करने वाले हैं जिला घोषित नहीं होता है, तब तक हम धरना समाप्त नहीं होगा। सेवानिवृत अध्यापक केशाराम मेहरा धमाना ने धरने का संचालन किया। ग्रामीणों का धरने को सर्मथन मिला। अधिवक्ता भीमाराम चौधरी व जनप्रतिनिधियों ने धरने संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार सांचोर की जनता के साथ भेदभाव रवैया अपना रही है, सांचोर जिला सही मापदण्ड अनुसार था उन मापदंडों के आधार पर सभी नए जिले और संभाग बनाया था जिसको वर्तमान सरकार ने किस आधार पर निरस्त किया, यह सांचोर की जनता के साथ अन्यान किया है। सांचोर जिले को पुनः जिला बनाकर रहेंगे। जब तक सांचोर जिला पुनः घोषित नहीं होता है तब तक हमारा धरना जारी रहेगा।

इस दौरान आसुराम गोदारा हादेचा, रामावतार मांजू, भाखराराम लोल सरपंच काछेला, अमरदान चारण, भाखराराम गोदारा, पूनमाराम, पबसिंह हादेचा, देवसीराम, कृष्ण कोली, आसुराम कोली, भगाराम, पिराराम सुथार, अमराराम मेघवाल, मंगलाराम जानी, मनोज कुमार, भंवरलाल कुराडा, भजनलाल बिश्नोई, रामलाल पंवार, सालाकदान चारण, पोकराराम बिश्नोई, रुगनाथाराम, जोधाराम मेघवाल, नरसीराम मेघवाल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

छह चचेरे भाइयों के शव गांव पहुंचे, कोहराम मचा, एक साथ अंतिम संस्कार किया

नोखा, (निसं)। बारात में गए छह चचेरे भाइयों की रास्ते में आइसक्रीम खाते हुए ली गई सेल्फी उनकी आखिरी याद बन गई। चार घंटे बाद ही एक्सीडेंट में सभी की मौत हो गई। बारात में खाना खाकर घर लौटते समय देर रात करीब ग्यारह बजे कार के ऊपर राख से भरा ट्रोला पलट गया था। जिससे कार में सवार सभी छह लोग नीचे दब गए थे। हादसा देशनोक में हुआ। सोशल मीडिया पर हादसे की तस्वीर देखकर पड़ौसी ने नंबर से गाड़ी को पहचान लिया और वह मौके पर पहुंच गया, लेकिन, परिजन रातभर इस हादसे से बेखबर रहे।

जानकारी के अनुसार जहां बुधवार शाम तक खुशियों का माहौल था, वहां सुबह होते ही मातम पसर गया। सभी नोखा (बीकानेर) के रहने वाले थे। हादसे में पप्पूराम (55) पुत्र गंगाराम और उनके भाई मूलचंद (45) निवासी मरोठी चौक, श्यामसुंदर (60) पुत्र चेतनराम व उनके भाई द्वारिका प्रसाद (45) निवासी पंचारिया चौक, करणीदान (50) पुत्र मोहनराम निवासी पंचारिया चौक और अशोक (45) पुत्र

- **बारात में खाना खाकर घर लौटते समय कार के ऊपर राख से भरा ट्रोला पलट गया था, जिससे कार में सवार सभी छह लोग नीचे दब गए थे**
- **स्थानीय लोगों ने मुआवजे की मांग को लेकर एसडीएम को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया**

जगन्नाथ निवासी चाचा नेहरू स्कूल के पास मौत हो गई। नोखा में गुरुवार को एक साथ छह भाइयों की अर्थी निकली। दोपहर करीब 3:30 बजे सभी का एक साथ अंतिम संस्कार किया गया।

बीकानेर आईजी ओमप्रकाश पासवान ने बताया कि हादसे की सूचना मिलने पर देशनोक थाना पुलिस मौके पर पहुंची। राख से भरा ट्रोला कार के ऊपर पलट गया था, जिससे कार में सवार सभी छह लोग नीचे दब गए थे। करीब आधे घंटे तक वे कार के अंदर फंसे रहे। कार पूरी तरह से पिचक चुकी थी। जेसीबी की मदद से कार के ऊपर से ट्रॉला हटवाया गया। सभी छह लोगों को बाहर निकाला। एंबुलेंस से चार को देशनोक सीएचसी और दो को बीकानेर के पीबीएम हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां डॉक्टर्स ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। रात में सभी शवों को हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवाया गया। हादसे की सूचना के बाद कुछ रिश्तेदार भी मौके पर पहुंच गए। ट्रोला ड्राइवर मौके से फरार हो गया था। गुरुवार को पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए। शवों को तीन एंबुलेंस से नोखा के लिए रवाना किया गया। दोपहर करीब एक बजे शव घर पहुंचते ही कोहराम मच गया।

इधर, स्थानीय लोगों ने मुआवजे की मांग को लेकर एसडीएम गोपाल जांगिड़ को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया। वहीं, हादसे के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की। पंचारिया चौक के पार्षद देवकिशन चांडक ने बताया कि पप्पूराम के बुआ के बेटे की शादी थी। बुआ का घर पंचारिया चौक से करीब 150 मीटर की दूरी पर है। बुधवार शाम को बारात नोखा से देशनोक गई थी। अशोक की होंडा अमेज कार से सभी लोग नोखा से शाम करीब 6:30 बजे निकले थे। देशनोक के विश्वकर्मा भवन में शादी समारोह था। इससे पहले नोखा से 15 किलोमीटर दूर बीच रास्ते में बारात के लिए चाय-नाश्ते की व्यवस्था की गई थी। कार में सवार सभी लोग शाम करीब 6:45 बजे भामटसर पॉलिटेक्निक कॉलेज में रुके थे। इस दौरान आइसक्रीम खाते हुए सड़क किनारे खड़े होकर अशोक ने सभी के साथ एक सेल्फी ली थी। भामटसर पॉलिटेक्निक कॉलेज में चाय-नाश्ता करने के बाद सभी लोग देशनोक स्थित विश्वकर्मा भवन में शादी समारोह में शामिल हुए। वहां खाना खाने के बाद वे कार से रात करीब 10:30 बजे घर के लिए निकले। निकलते ही करीब पांच किलोमीटर दूर करणी माता मंदिर के पास रेलवे क्रॉसिंग पर बने पुल पर एक ट्रॉला कार के ऊपर पलट गया।

पड़ोसी एडवोकेट रामनिवास बिश्नोई ने बताया कि मैंने सोशल मीडिया पर हादसे की खबर देखी। गाड़ी का नंबर देखते ही मेरी सांसें अटक गईं। मैंने बिना देर किए परिवार को जानकारी दिए बगैर मौके पर जाने का फैसला किया। कुछ पड़ोसियों को भी साथ ले लिया।

पार्षद देवकिशन चांडक ने बताया कि श्यामसुंदर, द्वारिका, पप्पूराम, मूलचंद और अशोक, सुखाराम के पोते थे। वहीं, कालूराम उर्फ करणीदान भी उनका चचेरा भाई था, जिसके दादा का नाम माणुराम था। अशोक के एक भाई की करीब 10 साल पहले एक्सीडेंट में मौत हो गई थी। अब परिवार में कमाने वाला छोटा भाई बजरंग बचा है। उसी पर बच्चों की सारी जिम्मेदारी आ गई है। पप्पूराम उर्फ लक्ष्मीनारायण और मूलचंद का भाई झंवरलाल (50) है। मूलचंद के 22 और 20 साल के दो बेटे हैं। पप्पूराम के एक बेटा और तीन बेटियां हैं। श्यामसुंदर और द्वारिका प्रसाद का बड़ा भाई ओमप्रकाश (70) है। श्यामसुंदर के दो बेटे हैं। द्वारिका प्रसाद के दो बेटे और एक बेटी है।